# R-416

# B.P.A. Fourth Semester Theatre (ATKT/EX) Examination, 2019-2020

## BHARTIYA AADHUNIK RANGMANCH

Paper - First

*Time : 3 Hours* *Maximum Marks : 42*

*Minimum Marks : 14*

---

**नोटः** सम्पूर्ण प्रश्न पत्र को दो खण्ड में विभक्त किया गया है। जिनमें से **खण्ड** – '**अ**' में किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर देना है। प्रत्येक के अंक समान हैं। **खण्ड** – '**ब**' में से भी किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर देना है।

### खण्ड–अ

**नोटः** किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। **[2×10=20]**

**1.** जयशंकर प्रसाद के नाटक ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित हैं? ऐसा सायास है या अनायास है? उदाहरण सहित उत्तर दीजिए।

**2.** पारसी नाटकों ने समाज में भाईचारे और सद्भाव की प्रेरणा दी है। इसे रेखांकित करते हुए विभिन्न पारसी नाटकों से उदाहरण सहित लिखें।

**3.** बांग्ला रंगमंच में गिरिश घोष, शिशिर भादुड़ी, शंभू मित्रा, उत्पल दत्त के कार्य और योगदान पर विस्तारपूर्वक लिखिए।

**4.** अण्णासाहेब किर्लोस्कर की नाट्य मंडली एवं उनकी प्रस्तुतियों ने किस प्रकार संगीत नाटक परम्परा को पुनर्जीवित एवं परिष्कृत किया? विस्तारपूर्वक उत्तर दीजिए।

## खण्ड-ब

## ( लघु उत्तरीय प्रश्न )

**नोट :** किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। **[2×11=22]**

**1.** भारतीय रंगमंच में हुए कम से कम तीन बड़े आंदोलनों पर उदाहरण सहित विस्तारपूर्वक लिखिए।

**2.** शौकिया रंगमच ही प्रोफेशनल रंगमंच का उद्‌गम है। इस पर अपने विचार शौकिया रंगकर्म के योगदान को रेखांकित करते हुए लिखिए।

**3.** मोहन राकेश एवं बादल सरकार का भारतीय रंगमंच में एक नाटककार के रूप में समग्र योगदान क्या है एवं नाट्य भाषा को लेकर किस प्रकार के प्रयोग किए गए हैं? उदाहरण सहित विस्तारपूर्वक उत्तर दीजिए।

**4.** हबीब तनवीर, ब.व. कारंत, के.एन पणीकर भारतीय रंगमंच की खोज करने वाली त्रिमूर्ति है। इस कथन को उदाहरण सहित विस्तार से स्पष्ट कीजिए।

◆◆◆